Vishal Yadav
Senior Winner
Sheetal Public Hr. Sec. School, Panwasa
Ujjain

विषय: ''हममें से प्रत्येक व्यक्ति ग्लोबल वॉर्मिंग और मौसम के बदलाव को टालने और प्राकृतिक पर्यावरण की सुरक्षा के लिये क्या कर सकता है?''

ग्लोबल वार्मिंग और मौसम परिवर्तन -

रूपरेखा - 1) प्रस्तावना 2) ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव 3) ग्लोबल वार्मिंग के कारण 4) ग्लोबल वार्मिंग से बचाव 5) उपसंहार

1) **प्रस्तावना - आज हमारे देश में ग्लोबल वार्मिंग बढ़ती जा रही है -** तथा ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव हमारी जीवन शैली पर भी बढ़ रहा है, सवाल यह है कि आज के समय में ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है जो पढ़ा-लिखा हो और उसे ग्लोबल वार्मिंग के बारे में पता न हो। अगर पता न हो तो हम बताते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग मनुष्य द्वारा ही की गयी उत्पन्न ग्रीन हाउस गैसों से हो रहे पृथ्वी के तापमान तथा औसत तापमान में हो रही वृद्धि होना ही ग्लोबल वार्मिंग कहलाता है। आज ग्लोबल वार्मिंग के कारण समस्त प्राणियों का जीवन खतरे में पड़ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के बारे में लगभग कई लोगों को अच्छे से पता है परंतु किसी को भी उसके बारे में समझना या जानना नहीं है। जब आप राह में चलते हैं तो आपने कभी सुना है कि हवा, वायु आदि की कोई शिकायत करता है, नहीं। इसे ही ग्लोबल वार्मिंग कहा जाता है। आज देश के हर नागरिक को जानने का पूरा हक़ है, आज प्रत्येक व्यक्ति को एक साथ मिलकर ग्लोबल वार्मिंग को रोकने का प्रयास करना चाहिए।

2) **ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव -** आज धरती पर वायु मंडल के बड़े कारण से व विषय के रूप में धरती तापमान अधिक बढ़ रहा है जिससे मनुष्य जाति खतरे में पड़ रही है तथा ग्रीन हाउस गैसों में हो रही वृद्धि से कार्बन डाई ऑक्साइड में भी वृद्धि हो रही है।

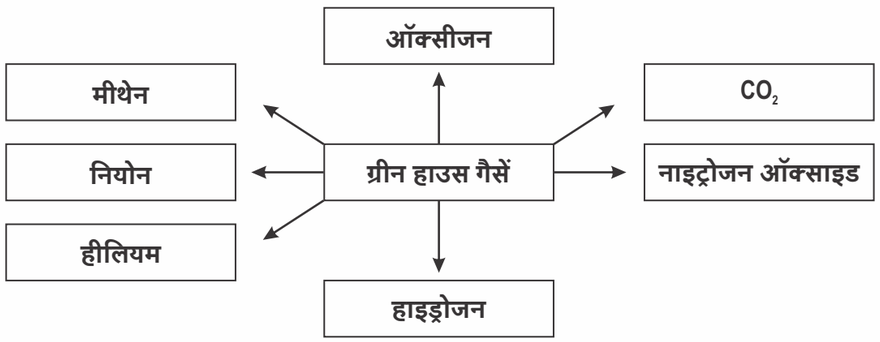

ग्लोबल वार्मिंग के गैसों के कारण पशु पक्षियों की कई प्रजाति नष्ट होती जा रही हैं।

3) **ग्लोबल वार्मिंग के कारण -** ग्लोबल वार्मिंग का सबसे बड़ा कारण मनुष्य और इसके द्वारा किये जाने वाले क्रियाकलाप हैं। मनुष्य अपने द्वारा किये गये कार्यों में अनजाने या जानबूझकर अपने ही रहवासियों को नष्ट कर रहे हैं तथा अपने स्वास्थ को ही नुकसान पहुँचा रहे हैं। आज हो रहे जंगलों का हो रहा विनाश भी ग्लोबल वार्मिंग का बहुत बड़ा कारण है। क्योंकि जंगल ही कार्बन डाई ऑक्साइड को नियंत्रित करते हैं। अगर कार्बन डाई ऑक्साइड को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव जीवन खतरे में पड़ जाएगा। नई टेक्नोलॉजियों द्वारा भी गोलब वार्मिंग बढ़ रहा है। वाहनों, जहाज, कारखानों, उद्योगों आदि से निकलने वाला धुआँ भी ओजोन परत को नष्ट कर रहा है। उसमें धूएं के कारण छिद्र हो गये हैं, जो पराबैंगनी किरणों को रोक नहीं पा रहे हैं।

4) **ग्लोबल वार्मिंग में बचाव -** हम सभी ग्लोबल वार्मिंग को रोकने का प्रयास कर सकते हैं। हम डीजल, पेट्रोल, बिजली तथा केरोसीन आदि का कम उपयोग करके भी ग्लोबल वार्मिंग को कम कर सकते हैं तथा हमें ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए पेड़ों व जंगलों को नष्ट होने से बचाया जा सकता है। तथा हमें प्रतिमाह एक पौधा लगाना चाहिए जिससे कार्बन डाई ऑक्साइड को नियंत्रित कर सके। तथा ऐसी टेक्नोलॉजी का प्रयोग करें जिससे प्रदूषण कम हो।

5) **उपसंहार -** ग्लोबल वार्मिंग आज सभी इसके बारे में जानते हैं। ग्लोबल वार्मिंग एक ऐसी समस्या है, जिस प्रकार प्राकृतिक आपदा अचानक से उत्पन्न होती है। व किसी को बताकर नहीं आती है। और संपूर्ण मनुष्य को जन-धन की हानि पहुँचाती है। ग्लोबल वार्मिंग भी अचानक उत्पन्न होने वाली समस्या है। मनुष्य को बहुत नुकसान पहुँचा सकती है। अगर हमने ग्लोबल वार्मिंग को नहीं रोका तो संपूर्ण प्राणियों के घातक साबित हो सकता है। हम सभी को ग्लोबल वार्मिंग को रोकने का प्रयत्न करते रहना चाहिए। जिससे हम भविष्य में सुरक्षित रह सकें।

Hindi